दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम में दिसम्बर 2016 के उपरांत प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों हेतु जानकारी :–
Information for students who got Admission in Distance Education program AFTER DECEMBER 2016 :-

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम – भारतीय संस्कृति

(01). प्रथम प्रश्नपत्र – भारतीय संस्कृति के आधारभूत तत्व (0301)

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न – निम्नलिखित दसों प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है । प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है ।

01. संस्कृति एवं सभ्यता की विवेचना कीजिए । क्या भारतीय संस्कृति में निहित मूलभूत विशेषताएँ समाज को सांस्कृतिक समन्वय का एक नया रूप दे सकती हैं ?
02. भारतीय संस्कृति के मूलभूत तत्वों के वैज्ञानिक विश्लेषण पर प्रकाश डालिए ?
03. यज्ञो वैः श्रेष्ठतम कर्मः की उक्ति को समझाते हुए यज्ञ चिकित्सा का विस्तार से वर्णन कीजिए ?
04. "अपसंस्कृति से गहराए संकट से समाज अवनति की ओर बढ़ रहा है ।" इस संदर्भ में एक समीक्षात्मक व्याख्या लिखिए ?
05. सर्वधर्म समन्वय की अवधारणा को समझाए ? भारतीय सनातन धर्म किस प्रकार इस कथन की पुष्टि करता है ? आधुनिक संदर्भ में विवरण दीजिए ?
06. प्राचीन भारतीय समाज में नारियों की स्थिति पर प्रकाश डालिए ? वर्तमान समय में नारियों को समाज में उचित स्थान देने के लिए कौन – कौन से प्रयास आवश्यक हैं ?
07. भारतीय जीवन पद्धति में संस्कारों के महत्व को समझाते हुए जन्म के बाद के किन्हीं तीन संस्कारों के मनोवैज्ञानिक महत्व का वर्णन कीजिए ?
08. आश्रमों के माध्यम से किस प्रकार पुरूषार्थ चतुष्टय भी पूर्ण हो जाता है ? इस संदर्भ में अपने विचारों की पुष्टि कीजिए ?
09. व्रत एवं पर्व – त्योहारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आचार्य श्रीराम शर्मा जी द्वारा बताए गए व्रतों से मिलने वाले लाभें की व्याख्या कीजिए ?
10. भारतीय संस्कृति के किन्हीं पाँच प्रतीकों का धार्मिक महत्व बताते हुए इनका वैज्ञानिक विश्लेषण कीजिए ?

(02). द्वितीय प्रश्नपत्र – भारतीय संस्कृति का विश्वव्यापी विस्तार (0302)

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न – निम्नलिखित दसों प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है । प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है ।

01. भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृति हैं । इस संदर्भ में अपने विचारों की समीक्षा कीजिए ?

02. भारतीय संस्कृति के विश्वव्यापी विस्तार में सहायक गुणों का वर्णन करें ?

03. यूरोप का आर्यावर्त जर्मनी भारतीय संस्कृति से संबंधित रहा है । इस तथ्य पर प्रकाश डालिए ?

04. तिब्बत में भारतीय संस्कृति के प्रभाव का समीक्षात्मक अध्ययन कीजिए ?

05. चीन व भारतीय संस्कृति के प्राचीन संबंधों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ?

06. जावा व सुमात्रा के क्षेत्र में भारतीय संस्कृति के प्रभाव का विश्लेषणात्मक वर्णन करें ?

07. माया सभ्यता व भारतीय संस्कृति के संबंधों का विवेचनात्मक अध्ययन करें ?

08. भारतीय संस्कृति द्वारा विश्व को दिए गए अजस्त्र अनुदानों का उल्लेख कीजिए ?

09. भारतीय उपनिवेश खोतन, कूची के साथ भारत के संबंधों का प्रसंगात्मक वर्णन करें ?

10. जापान व कोरिया में भारतीय संस्कृति के प्रभाव की विस्तारपूर्ण व्याख्या कीजिए ?

(02). तृतीय प्रश्नपत्र – तीर्थ के विविध आयाम (0303)

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न – निम्नलिखित दसों प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है । प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है ।

01. तीर्थ सेवन के द्वारा आत्मपरिष्कार कैसे संभव है ? संक्षिप्त व्याख्या कीजिए ?

02. तीर्थ शब्द का अर्थ एवं परिभाषा बताते हुए वर्तमान संदर्भ में तीर्थ की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए?

03. प्राचीन ऋषि – मुनि सामाजिक समस्याओं का निराकरण तीर्थ द्वारा किस प्रकार करते थे ?

04. तीर्थयात्रा करने के पीछे छिपे हुए उद्देश्यों को स्पष्ट करें ?

05. तीर्थों की स्थापना किन – किन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर की गई थी ? स्पष्ट करें ।

06. स्वयं के द्वारा देखे हुए किन्हीं दो तीर्थ स्थलों की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए एवं वहाँ की समस्याओं के संदर्भ में अपने सुझाव को प्रस्तुत करें ?

07 .विभिन्न सूचना माध्यमों द्वारा चार धाम के वर्तमान स्वरूप की व्याख्या कीजिए ?

08. देवात्मा हिमालय के प्रमुख धामों का सचित्र वर्णन कीजिए ?

09. तीर्थो की प्राचीन अवधारणा को स्पष्ट करें ?

10. तीर्थो के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण संभव है ? स्पष्ट कीजिए ।

सत्रीय कार्य हेतु नियम एवं निर्देश :–

- प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र हेतु एक सत्रीय कार्य (Assignment) बना कर जमा करना होगा ।
- सत्रीय कार्य के अन्तर्गत हल किए जाने वाले प्रश्न वेबसाइट पर दिए जाएंगे । यह विद्यार्थियों की जिम्मेदारी होगी कि वे वेबसाइट से सत्रीय कार्यो के प्रश्नों को प्राप्त करें ।
- प्रमाणपत्र पाठयक्रमों में प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य में 10 प्रश्न होंगे । विद्यार्थी को इन दसों प्रश्नों के उत्तर लिखने होगें । प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए । समस्त प्रश्न समान अंको के होंगे ।
- स्नातकोत्तर डिप्लोमा योग विज्ञान पाठ्यक्रम में प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य में 4 प्रश्न होंगे । विद्यार्थी को इन चारों प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे । प्रत्येक उत्तर लगभग 400 शब्दों का होना चाहिए । समस्त प्रश्न समान अंको के होंगे ।
- सत्रीय कार्य लिखने के लिए ए – 4 साइज सादे सफेद कागजों का प्रयोग करना आवश्यक है ।
- सत्रीय कार्य के ऊपर प्लास्टिक का फाइल कवर नहीं लगाना हैं ।
- सत्रीय कार्य सिर्फ स्वलिखित (अपनी हस्तलिपि में) ही होना चाहिए । कम्पयूटर द्वारा टाइप किया गया सत्रीय कार्य अथवा अन्य किसी प्रकार से तैयार किया गया सत्रीय कार्य निरस्त कर दिया जाएगा ।
- यदि यह पाया जाता है कि सत्रीय कार्य में एक दूसरे की नकल की गई है तो ऐसे समस्त सत्रीय कार्य निरस्त कर दिए जाएंगे ।
- विद्यार्थी प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के लिए एक सत्र में सिर्फ एक बार ही सत्रीय कार्य जमा कर सकता है । यदि विद्यार्थी एक से अधिक बार सत्रीय कार्य जमा करता है तो सबसे पहले जमा किया गया सत्रीय कार्य ही मान्य होगा ।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र का सत्रीय कार्य अलग से बना कर जमा करना होगा । यदि विभिन्न प्रश्नपत्रों के सत्रीय कार्यो के प्रश्नों के उत्तर एक – के – बाद – एक लगातार लिख दिए गए हैं, तो ऐसे सत्रीय कार्यो को निरस्त कर दिया जाएगा ।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य के ऊपर फॉर्म क्रमांक 1 लगाना अनिवार्य है (यह फॉर्म वेबसाइट पर दिया गया है) । फॉर्म क्रमांक 1 में अन्य जानकारी के साथ – साथ उस प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड भरे होने चाहिए जिसका यह सत्रीय कार्य है । फॉर्म क्रमांक 1 पर विद्यार्थी का वही हस्ताक्षर होना चाहिए जो उसने पाठ्यक्रम में प्रवेश के समय दिया था । यदि किसी सत्रीय कार्य के ऊपर फॉर्म क्रमांक 1 नहीं लगा होगा या उसमें वांछित समस्त जानकारी नहीं भरी गई होगी तो उस सत्रीय कार्य को निरस्त कर दिया जाएगा ।
- सत्रीय कार्य को रजिस्टर्ड डाक द्वारा अथवा स्वयं आकर दूरस्थ शिक्षा केन्द्र में जमा कराना होगा।
- प्रत्येक सत्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि दूरस्थ शिक्षा केंन्द्र की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी । यह विद्यार्थीयों की जिम्मेदारी है कि वे इस जानकारी को वेबसाइट से प्राप्त कर के अंतिम तिथि तक दूरस्थ शिक्षा केन्द्र में सत्रीय कार्य जमा करें । अंतिम तिथि तक सत्रीय कार्य दूरस्थ शिक्षा केन्द्र में जमा करना अनिवार्य है । अंतिम तिथि के उपरान्त प्राप्त सत्रीय कार्य निरस्त कर दिया जाएगा । अंतिम तिथि आगे बढ़ाने हेतु दिए गए किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा । यदि कोई विद्यार्थी अंतिम तिथि आगे बढ़ाने हेतु

अनावश्यक रूप से जोर देता है तो इसे अनुशासनहीनता माना जाएगा, एवं ऐसी स्थिति में विद्यार्थी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का अधिकार विश्वविद्यालय प्रशासन के पास सुरक्षित रहेगा ।

- किसी सैद्धांतिक प्रश्नपत्र का सत्रीय कार्य जमा न करने की स्थिति में, उस सत्र में, विद्यार्थी को उस प्रश्नपत्र की सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी । इस संदर्भ में दिए गए किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा । इस संबंध में छूट उसी स्थिति में होगी जब कि किसी पूर्व सत्र में उस प्रश्नपत्र का सत्रीय कार्य जमा किया जा चुका हो, एवं उस सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने हेतु वांछित 40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लिए गए हों ।
- सत्रीय कार्य के साथ एक ए – 4 साइज का लिफाफा जमा करना अनिवार्य है जिस पर विद्यार्थी का नाम एवं पूरा पता लिखा हुआ हो ।
- प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र हेतु सत्रीय कार्य 20 अंकों का निर्धारित किया गया है । यह उस प्रश्नपत्र के पूर्णांक (100 अंक) का 20 प्रतिशत है ।
- विद्यार्थी को प्रत्येक सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने हेतु 40 प्रतिशत अंक (8 अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है ।

————000————